

झारखण्ड गजट

असाधारण अंक

झारखण्ड सरकार द्वारा प्रकाशित

23 सितम्बर, 2016 (ई॰)

नगर विकास एवं आवास विभाग

अधिसूचना 19 सितम्बर, 2016

संख्या-SUDA/AMRUT(DLRMC)-09/2015-5203 (अनु॰)-- शहरी विकास मंत्रालय तथा आवास और शहरी गरीबी उपशमन मंत्रालय, भारत सरकार की विभिन्न योजनाओं यथा- अटल नवीकरण एवं शहरी परिवर्तन मिशन (अमृत), स्वच्छ भारत मिशन (शहरी), राष्ट्रीय शहरी आजीविका मिशन एवं प्रधानमंत्री आवास योजना का क्रियान्वयन शहरी स्थानीय निकायों के द्वारा किया जा रहा है। इन योजनाओं के क्रियान्वयन की जिला स्तर पर अनुश्रवण एवं समीक्षा हेतु 'जिला स्तरीय सलाहकार एवं अनुश्रवण समिति' (District Level Advisory & Monitoring Committee) का गठन किया जाता है, जिसका स्वरूप निम्नवत् होगा :-

1.	संबंधित जिले के लोक सभा सदस्य- शहरी विकास मंत्रालय से प्राप्त	-	अध्यक्ष
	मार्गदर्शिका के पारा 5 के अनुसार (परिशिष्ट-क पर अवलोकनीय)		
2.	संबंधित जिले के लोक सभा सदस्य - शहरी विकास मंत्रालय से	-	उपाध्यक्ष
	प्राप्त मार्गदर्शिका के पारा 5 के अनुसार (परिशिष्ट-क पर		
	अवलोकनीय)		
3.	राज्य के राज्य सभा सदस्य	-	उपाध्यक्ष

4.	संबंधित जिले के विधान सभा सदस्य	-	सदस्य
5.	संबंधित निकाय के महापौर/अध्यक्ष		सदस्य
6.	संबंधित क्षेत्रीय विकास प्राधिकार (यदि हो) के अध्यक्ष		सदस्य
7.	संबंधित निकाय के नगर आयुक्त/कार्यपालक पदाधिकारी		सदस्य
8.	संबंधित क्षेत्रीय विकास प्राधिकार (यदि हो) के प्रबंध निदेशक/	-	सदस्य
	उपाध्यक्ष		
9.	राज्य मिशन निदेशालय के प्रतिनिधि	-	सदस्य
10.	संबंधित प्रमण्डल के कार्यपालक अभियंता, पेयजल एवं स्वच्छता		सदस्य
	विभाग		
11.	समिति के द्वारा नामित सदस्य- शहरी विकास मंत्रालय से प्राप्त	-	सदस्य
	मार्गदर्शिका के पारा 4(f) के अनुसार		
12.	संबंधित जिले के उपायुक्त	-	सदस्य-
			सचिव

- 2. उक्त समिति के निम्नलिखित उत्तरदायित्व होंगे :
 - a) शहरी विकास मंत्रालय तथा आवास और शहरी गरीबी उपशमन मंत्रालय, भारत सरकार की योजनाओं का अनुश्रवण एवं समीक्षा करना ।
 - b) सेवा स्तरीय संसूचक के आधार पर योजना प्रगति की प्रत्येक निकाय एवं जिला स्तर पर समीक्षा करना ।
 - c) परियोजना के अन्तर विभागीय संसाधनों के अभिसरण (Inter Sectoral Convergence of Resource) को प्रोत्साहित करना ।
 - d) सुधार कार्यक्रमों विशेषतः ई-गवर्नेंस तथा Ease of Doing Business के परिपालन के प्रगति की समीक्षा करना ।
 - e) योजना के क्रियान्वयनमें आने वाली अवरोधों से राज्य एवं केन्द्र सरकार को अवगत कराना ।
 - f) योजनाओं के प्रभावकारी एवं सहज क्रियान्वयन हेतु केन्द्र, राज्य एवं निकायों स्तर पर समन्वय स्थापित करना ।
 - g) परियोजना स्थल का भ्रमण कर लाभार्थियों को योजना के लाभ, उसके प्रभाव एवं प्रगति से अवगत कराना ।
 - h) नागरिक सहभागिता को प्रोत्साहन देना ।
 - i) मार्गदर्शिका में उल्लेखित योजनाओं से संबंधित विभिन्न कार्य ।
- 3. उक्त समिति की कार्य पद्धति निम्नलिखित प्रकार से होगी:-

- a) 'जिला स्तरीय सलाहकार एवं अनुश्रवण सिमिति' की बैठक प्रत्येक तीन माह में एक बार आहूत होना आवश्यक होगा । बैठक की सूचना से सभी सदस्यों को कम से कम 7 दिन पूर्व अवगत कराया जायेगा ।
- b) सदस्य-सचिव के द्वारा अध्यक्ष के साथ बैठक के एजेंडा इत्यादि पर विमर्श कर बैठक आयोजित की जा सकेगी । अध्यक्ष के अनुपलब्ध रहने की स्थिति में सदस्य-सचिव के द्वारा अध्यक्ष के साथ समन्वय स्थापित कर बैठक आहूत की जा सकेगी । अध्यक्ष की अनुपस्थिति में बैठक की अध्यक्षता उपाध्यक्ष के द्वारा की जायेगी । अध्यक्ष एवं उपाध्यक्ष दोनों के अनुपस्थित रहने पर उपस्थित सदस्यों के द्वारा बैठक का अध्यक्ष चुना जायेगा ।
- c) बैठक आयोजन से संबंधित व्यय का वहन अमृत योजना अंतर्गत A&OE मद में उपबंधित राशि से भी किया जा सकता है।
- d) इन बैठकों में शामिल होने हेतु किसी प्रकार का यात्रा भत्ता किसी भी सदस्य को देय नहीं होगा ।
- e) इन बैठकों की कार्यवाही संबंधित निकाय के वेबसाईट पर उपलब्ध करना तथा राज्य सरकार को इसका अनुपालन प्रतिवेदन उपलब्ध करना अनिवार्य होगा ।
- 4. उक्त योजनाओं हेतु पूर्व में गठित सभी जिला स्तरीय सलाहकार एवं अनुश्रवण समिति के गठन से संबंधित सभी अधिसूचनायें इस हद तक संशोधित समझी जायेगी ।
- 5. उक्त योजनाओं से संबंधित पूर्व में गठित सभी समितियों को तत्काल प्रभाव से विघटित किया जाता है।
- 6. सुलभ प्रसंग हेतु शहरी विकास मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा उपलब्ध मार्गदर्शिका की छायाप्रति संलग्न ।

अन्लग्नक- यथोक्त ।

झारखण्ड राज्यपाल के आदेश से,

अरूण कुमार सिंह, सरकार के प्रधान सचिव ।

<u>परिशिष्ट-क</u>

Member of Parliament (13th Lok Sabha) Nominated as Chairman/Co-Chairman to the District Level Advisory and Monitoring Committee (DLAMC)

District	Member of Parliament	Chairman/Co-Chairman
Bokaro	Shri Ravindra Kumar Pandey	Chairman
	Shri Pasupati Nath Singh	Co-Chairman
Chatra	Shri Sunil Kumar Singh	Chairman
Deoghar	Shri Nishikant Dubey	Chairman
	Shri Shibu Soren	Co-Chairman
Dhanbad	Shri Pasupati Nath Singh	Chairman
	Shri Ravindra Kumar Pandey	Co-Chairman
Dumka	Shri Shibu Soren	Chairman
	Shri Vijay Kumar Hansdak	Co-Chairman
	Shri Nishikant Dubey	Co-Chairman
Garhwa	Shri Vishnu Dayal Ram	Chairman
Giridih	Shri Ravindra Kumar Pandey	Chairman
	Dr. Ravindra Kumar Ray	Co-Chairman
Godda	Shri Nishikant Dubey	Chairman
	Shri Vijay Kumar Hansdak	Co-Chairman
Gumla	Shri Sudarshan Bhagat	Chairman
	Shri Kariya Munda	Co-Chairman
Hazaribagh	Shri Jayant Sinha	Chairman
	Dr. Ravindra Kumar Ray	Co-Chairman
Jamshedpur (East Singhbhum)	Shri Bidyut Baran Mahato	Chairman
Jamtara	Shri Shibu Soren	Chairman
Koderma	Dr. Ravindra Kumar Ray	Chairman
Khunti	Shri Kariya Munda	Chairman

झारखण्ड गजट (असाधारण) शुक्रवार 23 सितम्बर, 2016

Latehar	Shri Sunil Kumar Singh	Chairman
Lohardaga	Shri Sudarshan Bhagat	Chairman
Pakur	Shri Vijay Kumar Hansdak	Chairman
Ramgarh	Shri Jayant Sinha	Chairman
Palamu	Shri Vishnu Dayal Ram	Chairman
	Shri Sunil Kumar Singh	Co-Chairman
West Singhbhum	Shri Laxman Giluwa	Chairman
	Shri Kariya Munda	Co-Chairman
Ranchi	Shri Ram Tahal Choudhary	Chairman
	Shri Kariya Munda	Co-Chairman
	Shri Sudarshan Bhagat	Co-Chairman
Sahibgunj	Shri Vijay Kumar Hansdak	Chairman
Sariakela (Kharsawan)	Shri Kariya Munda	Chairman
	Shri Ram Tahal Choudhary	Co-Chairman
	Shri Laxman Giluwa	Co-Chairman
Simdega	Shri Kariya Munda	Chairman

No. N-11025/21/2016-LSG

Government of India Ministry of Urban Development LSG Division

Nirman Bhawan, New Delhi. Dated 24th June 2016

To

The Principal Secretary / Secretary Urban Development Department All State & UTGovernments

Subject: District Level Advisory and Monitoring Committee (DLAMC) for Urban Development - Guidelines

Madam / Sir,

The undersigned is directed to forward herewith Guidelines for setting up a common District LevelAdvisory and Monitoring Committee (DLAMC)for Urban Development under the chairpersonship of an elected representative as per order of warrant of precedence- The DLAMCshall oversee, review and monitor the programmes of the Ministry of Urban Development and Ministry of HUPAas under:

- a) Swachh Bharat Mission (Urban)
- b) Atal Mission for Rejuvenation and Urban Transformation (AMRUT)
- c) Heritage City Development and Augmentation Yojana (HRIDAY)
- d) Pradhan Mantri Awas Yojana (PMAY)-Housingfor All (Urban)
- e) Deendayal Antyodaya Yojana-National Urban LivelihoodMission (NULM)

These Guidelines will supersede and subsume the relevant provisions of respective program / mission guidelines with respect to similar committees proposed by them. There will be no separate requirement to constitute similar independent committees under them.

It is requested to issue formal orders for constitution and functioning of DLAMCsas per the enclosed Guidelines, under intimation to this Ministry. The Guidelines can be accessed at moud.gov.in

Yours faithfully'

(Sunil Kumar Pal)

Under Secretary to the Government of India

Telefax: 23061072

Email: uslsg-mud(a)gov.in

Encl:As above

Guidelines for District Level Advisory and Monitoring Committee For Urban Development

1. Background

A National Conclave was held with the Ministers of Housing and Urban Development during 2014 and a National Declaration was adopted. The spirit of the National Declaration was to make municipal functioning more transparent and the functionaries more accountable. Government has designed and launched a number of mission mode programs for creating urban infrastructure and improving service levels while focusing on capacity building, reform implementation and improving governance.

The role of elected representatives is crucial and their constant involvement and guidance to the programs is essential for successfully delivering the desired outcomes in an inclusive and sustainable manner. Accordingly, Ministry of Urban Development and Ministry of Housing and Poverty Alleviation have decided to setup a District Level Advisory and Monitoring Committee (DLAMC) for Urban Development.

2. Scope and Jurisdiction

The District Level Advisory and Monitoring Committees (DLAMC) for Urban Development will review and monitor the following programs:

- a) Swachh Bharat Mission (Urban)
- b) Atal Mission for Rejuvenation and Urban Transformation (AMRUT)
- c) Heritage City Development and Augmentation Yojana (HRIDAY)
- d) Pradhan Mantri Awas Yojana (PMAY) Housing for All (Urban)
- e) Deendayal Antyodaya Yojana National Urban Livelihood Mission(NULM)

These guidelines will supersede and subsume the relevant provisions of respective program/mission guidelines with respect to similar committees proposed by them. There will be no separate requirement to constitute similar independent committees under them.

3. *Objectives*

The District Level Advisory and Monitoring Committees (DLAMC) is constituted with a view to fulfill the following objectives: -

- a) Oversee, review and monitor Ministry's schemes, programs and Missions.
- b) Provide an enabling framework by facilitating for coordination between center-state and implementing agencies for smooth and effective implementation.
- c) Facilitating coordination among various agencies.
- d) Promoting citizen engagement and participation.
- e) Recommend mid-course correction in the implementation tools.

4. Composition

a) Chairperson:

Nomination of the Chairperson of the District Level Advisory and Monitoring Committees (DLAMC) would be done by the State Government/UT Administration based on the criteria given in para 5 of these guidelines.

b) Co-Chairperson (Lok Sabha):

All Elected Members of Parliament (LokSabha) of the District having full or part of one or more of an Urban local Body (ULB) of the district falling in their constituency, to be designated as Co-Chairperson.

c) Co-Chair person (Rajya Sabha):

Each Member of Parliament (Rajya Sabha) representing the State may exercise the option to be associated with any one District Level Advisory and Monitoring Committees (DLAMC) of choice as Co-Chair person.

d) Member-Secretary

Member Secretary of the District Level Advisory and Monitoring Committees (DLAMC) would be the District Collector/ District Magistrate *I*Deputy Commissioner. However, in case of metropolitan cities (population of more than 40 Lakhs as per census 2011) the Municipal commissioner shall be the Member Secretary.

e) Ex-OfficioMembers:

- i. All elected member of State Legislative Assembly from the district having full or part of one or more of an Urban Local Body (ULB) of the district falling in their constituency
- ii. May or sand Chairpersons of all Urban Local Bodies of the District
- iii. Chairperson of Urban Development Authority of the District
- iv. Commissioner/Chief Executive Officers of all ULBs of the District
- v. Chief Executive officer of Urban Development Authority of the District
- vi. Representative of Urban Development Department of the StateGovernment
- vii. District in charge senior-most official of Department of Public Health Engineering
- viii. District in charge senior most official of para-statal like water board, sewerage board,

f) Nominated Members:

The Chairperson of committee shall recommend names of suitable eminent persons to be member of the committee for a term of two years, from the date of issue of order of nomination, for the following categories:

- a) An eminent person of the district from social or public fields having special knowledge or experience of urban development.
- b) Aneminent person/ office bearer of a civil society organization working in the district in the field of urban development.
- c) An eminent person in the senior citizen category (above the age of 60 years).

Provided that,

At least one of the above persons shall be a woman and;

At least one of the above persons shall be from either a scheduled caste or a scheduled tribe.

The recommendation in the above category of the above nominee shall be made by the chairperson in writing, with a brief bio data and consent of the nominee, to the member secretary, who will issue necessary orders after a police verification conducted as per procedure.

5. Nomination of the Chairperson of the District Level Advisory and Monitoring Committees (DLAMC) would be done by the State Government/UT Administration based on

the following criteria:-

- (i) Senior most Elected Public Representative in the District as per the order of warrant of precedence may chair the District Level Advisory and Monitoring Committee (DLAMC) meeting.
- (ii) If there are two senior most members of the same status, the Member who is representing maximum geographical area/ assembly segments of the District as apart of his/her constituency should be nominated the Chairperson and other Member(s) should be nominated as the Co-Chairperson.
- (iii) Where there is only one Member of Lok Sabha in a District and he/ she is representing more than one District, he/she may be nominated as Chairperson in all Districts which he/she is representing.
- (iv) If the district has more than one Parliament constituency (Lok Sabha) as its segments and the senior-most Member of Parliament (Lok Sabha) is made Chairperson of the Committee in some other district, the next senior-most Member of Parliament (Lok Sabha) shall be the Chairperson.
- (v) The other Membersof Parliament (Lok Sabha) representing the district shall be designated as Co-Chairperson.
- (vi) In absence of the designated Chairperson, Co-Chairperson (if any), with consensus among the Co-Chairperson present, would preside over the meeting. If no Chairperson/Co-Chairperson is present in a particular meeting, the members who are present shall elect a Chairperson from among themselves to preside over that meeting.

6. Terms of Reference

The broad terms of reference of the committee will be as under:

- (i) To review and monitor progress under the schemes and programs of Ministry of Urban Development and Ministry of Housing and Poverty Alleviation.
- (ii) To review improvements in service level indicators of each ULB of the district.
- (iii) Promote inter-sectoral convergence of resources for projects.
- (iv) Review Progress of reform implementation with special focus on e-governance and ease of doing business regarding construction permits.
- (V) Advise state/central government regarding bottlenecks in implementation.
- (vi) To suggest approaches for effective citizen engagement.

The committee may undertake site visits, with due prior notice, to project areas and to meet the beneficiaries to assess the impact and progress of the schemes. The Committee will advise and monitor the following Missions/Programmes with special reference as under: -

A. Swachh Bharat Mission (SBM)

Over arching goal of Mission to improve health and hygiene of people in both urban and rural areas of the country. The committee to see that the beneficiaries are properly selected, manual scavenging is eliminated and scientific disposal of both solid and liquid waste is done in cities. Citizen participation is effective and the objective of complete open defecation free city is achieved and sustained as planned.

B. Atal Mission for Rejuvenation and Urban Transformation (AMRUT)

The Service Level Improvement Plan (SLIP) of the ULB to be reviewed with respect to the basic services of Water Supply, Sewerage and Septage, Storm water drainage, Urban greens etc. The real outcomes of projects under taken to be reviewed. The reform mandate of AMRUT to be reviewed with respect of annual mile stones and achievements.

c. Heritage City Development and Augmentation Yojana (HRIDAY)

Ensure that physical and financial progress is under ambit of scheme and format are prepared and MIS is maintained. Local skill development of artisans occur under the programme. To observe that Memorandum of Agreements (MoU) are properly done. In case required mid-level course corrections are suggested for the ongoing works under the scheme.

D. Pradhan Mantri Awas Yojana-Housing for All (Urban)

To review and monitor that intended beneficiaries (economically weaker sections) get advantage of this scheme. The necessary NBC and other relevant BIS codes are followed during construction. To monitor that the disbursement of subsidies to beneficiaries is done in time and suggest improvements. To review the district plan in order to achieve the goal of Housing for all. The result of demand assessment, draft HFAPoA and draft AlP should be discussed/review during the DLAMC meetings.

E. Deendayal Antyodaya Yojana- National Urban Livelihood Mission (NULM)

To review and monitor that intended beneficiaries get advantage of the Scheme such as skill training, self-employment and SHG-Banklinkage. Also, review and monitor the disbursement of bank loans to beneficiaries for self-employment and self-help groups. To review the need for urban homeless shelters and monitor the progress/functioning of sanctioned shelters. To review and monitor the progresss of actions taken for livelihood promotion of urban street vendors.

Procedural Matters:

- 7. The meeting of the District Level Advisory and Monitoring Committees (DLAMC) will be held at least once in every three months. A minimum notice period of 7 days must be given in order to effectively communicate to all Members. There shall be no quorum requirement.
- 8. Member-Secretary shall convene the meeting after discussion regarding agenda and a convenient date with the Chairperson. In case the Chair person is pre-occupied, the Member-Secretary, in consultation with Chairperson, shall convene the meeting. In absence of the designated Chairperson, Co-Chairperson (ifany), with consensus among the Co-Chairperson present, would preside over the meeting. If no Chairperson/Co-Chairperson is present in a particular meeting, the members who are present shall elect a Chairperson from among them selves to preside over that meeting.
- 9. The expenditure on incurring the meeting of the District Level Advisory and Monitoring Committees (DLAMC) will be as per the directions of State Government. For this purpose, A&OE expenditure of AMRUT Mission may be used as per State Government Rules. No expenditure would be allowed on setting up the office or for purchase of office items for servicing this committee.
- 10. No daily allowance or travelling allowance would be allowed to any Member for participating in this meeting.
- 11. The minutes of the committee meetings will be duly issued and uploaded on each ULB's website. Action taken report of the previous meeting must be presented in each meeting. The minutes and ATR shall be sent to state government for reporting and monitoring purposes.

12. Role of State Government:

The state government will issue suitable directions to ensure that regular meetings of all district level committees are held and appropriate action is taken on the recommendations of the committee. Directions shall be issued by state government to all government officers who are members of the committee to regularly participate in the meetings.

The action taken reports prepared by each district committee to be submitted to state government for in formation and necessary action.

State government will submit a consolidated report to Ministry of Urban Development or Ministry of Housing and Urban Poverty Alleviation every year regarding functioning of the district committees, high lighting any issue of significance which may be brought to the notice of Ministry of Urban Development or Ministry of Housing and Urban Poverty Alleviation.

State government may also issue any further directions required for smooth functioning of these committees.

- 13. MissionDirector, AMRUT, Ministry of Urban Development, shall be the nodal person at GOI level to coordinate the efficient functioning of DLAMC. Ministry of HUPA shall also designate a suitable officer to be co-nodal officer with regard to its schemes.
- 14. Mission Director, AMRUT, State/UT government shall be the nodal person at state/UT level to coordinate the efficient functioning and reporting of DLAMC.

June 2016
